No. of Printed Pages : 6

MVS–011

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA

(PGDVS)

Term-End Examination

December, 2024

MVS–011 : NATURE AND HISTORY OF VASTUSHASTRA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is divided into two Sections. Both Sections are compulsory. Answer the questions in accordance with the instructions given in each Section.*

Section—A

Note : Answer any *three* of the following questions.

3×20=60

1. Write a detailed introduction to Vastushastra.

2. What are the characteristics of Vastu ? What is its relation to Dharma ? Elaborate.

3. Describe Gramavasa and land evaluation in detail.

4. What do you understand by the idea of Mukhyadvara ? Describe the idea of Dvaravedha.

5. Describe the plan of Vastu construction in detail.

6. Elaborate on any *three* originators of Vastushastra.

Section—B

Note : Answer any *four* of the following questions.

4×10=40

1. Are the elements of Vastushastra found in Kavya (Belles Lettres/Literature) ? Explain with examples.

2. Discuss the relationship between Jyotisha and Vastu.

3. Discuss the elements of Vastushastra found in Dramaturgy texts.

4. Briefly describe the conception of Desha (Space) found in Vastushastra.

5. Describe in brief the Ancient Indian Vastukala System.

6. What is Panchamahabhuta ? Elaborate.

7. Illustrate and describe the elements of Vastushastra found in the Ramayana using brief examples.

8. Describe the elements of Vastushastra found in the Agama texts with examples.

MVS–011

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–011 : वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवं इतिहास

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. वास्तुशास्त्र का विस्तृत परिचय लिखिए।

2. वास्तु के लक्षण क्या हैं ? इसका धर्म से क्या सम्बन्ध है ? निरूपण कीजिए।

3. ग्रामवास एवं भूमिपरीक्षा का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. मुख्यद्वार विचार से आप क्या समझते हैं ? द्वारवेध विचार का वर्णन कीजिए।

5. वास्तुनिर्माण की आयोजना का विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. वास्तुशास्त्र के किन्हीं **तीन** प्रवर्तकों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. क्या काव्य में वास्तुशास्त्र के तत्व पाये जाते हैं ? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. ज्योतिष और वास्तु के सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

3. नाट्यग्रंथों में पाये जाने वाले वास्तुशास्त्रीय तत्वों का विवेचन कीजिए।

4. वास्तुशास्त्र के अंतर्गत देश की अवधारणा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. प्राचीन भारतीय वास्तुकला प्रणाली का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. पंचमहाभूत किसे कहते हैं ? वर्णन कीजिए।

7. रामायण में पाये जाने वाले वास्तुशास्त्र के तत्वों का संक्षिप्त उदाहरणों के साथ वर्णन कीजिए।

8. आगम ग्रंथों में पाये जाने वाले वास्तुशास्त्रीय तत्वों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×